Notes Date

कक्षा में संप्रेषण की प्रक्रिया: कोल और चेन मॉडल (Classroom Communication-Cole and Chan Model) —

Berlo ने मूलतः संप्रेषण को S-R (Sender Reciever) मॉडल के रूप में समझाने का प्रयास किया है, जहां उद्दीपन (Stimulus) को प्रेषक (Sender) के साथ और प्रतिपुष्टि (Feedback) को प्राप्तकर्ता Reciever) के साथ जोड़ा जाता है। इस S-R मॉडल को बाद में S-M-C-R (Sender-Message-Channel-Reciever) के रूप में बढ़ा दिया गया हिन्दी भाषा में इसको प्रेषक-संदेश-चैनल-प्राप्तकर्ता मॉडल कहा जा सकता है। यह संप्रेषण की 'आधारभूत प्रक्रिया' है

संप्रेषण प्रक्रिया में प्रेषक को कूट लेखक encoder) भी कहा जाता है, जो संदेश को सांकेतिक शब्दो में बदलता है (encoding) फिर उसे यह एक साधन/चैनल का उपयोग करके प्राप्तकर्ता अथवा कूटवाचक (decoder) तक पहुंचाता है। कूटवाचक इन सांकेतिक शब्दो को पढ़ता है और यहा जानकारी का प्रसंस्करण होता है। प्राप्तकर्ता फिर से किसी चैनल/माध्यम का उपयोग करके उचित प्रतिपुष्टि (Feedback) करके वापिस भेजता है।

Notes

Date

कोल और चन मॉडल (Cole and Chan Model) के अनुसार कक्षा शिक्षण के मुख्य पाँच चरण होते है:

1- संदेश का निरूपण (Formulation of Message)
2- संदेश का संकेतीकरण या कूट लेखन (Message encoding)
3- संदेश संचरण (Message transmission)
4 कूटवाचन एवं व्याख्या (Message decoding and interpretation)
5- प्रतिपुष्टि एवं मूल्यांकन (Feedback and Evaluation)

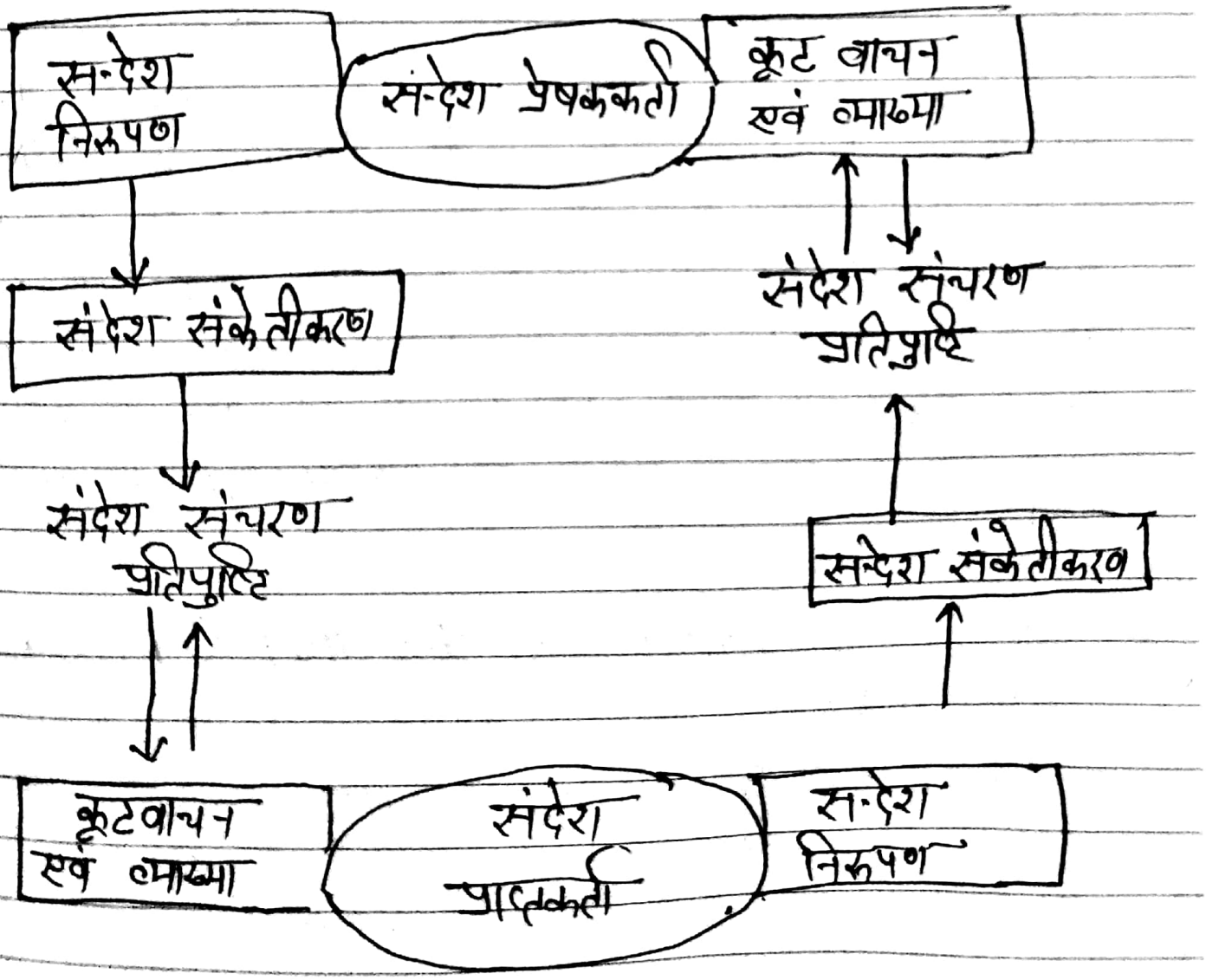

Scanned with CamScanner

Notes

Date

1- संदेश निरूपण (Formulation of Message) —

सभी संप्रेषण प्रक्रिया एक विचार या एक संदेश से शुरू होती है, जिसका मुख्य उद्देश्य लक्षित दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया Positive Response) की प्राप्ति करना होता है। यह प्रेषक या कूटलेखक (encoder) से शुरू होती है।

मानवीय बोली एवं लिखित भाषा को संकेत की प्रणाली कहा जाता है। संदेश एक स्रोत द्वारा भेजे गए मौखिक या गैर मौखिक संकेतो का एक समूह है। संदेश मौखिक या लिखित शब्द, इशारा, शारीरिक गतिविधि या सभी हो सकते है। एक प्रभावी संप्रेषण, ज्ञान के स्तर, संप्रेषण कौशल और संप्रेषक के रवैये (Attitude) और कैसे वह संदेश ग्राहिता (Receiver) को प्रभावित करना चाहता है, इन सब बातो पर निर्भर करता है। सोचने की योग्यता, विचारो को जल्दी से व्यवस्थित करना और विचारो को प्रस्तुत करना एक अच्छा संदेश वाहक की विशेषताओ मे से एक है।

2- संदेश संकेतीकरण या कूट लेखन (Message Encoding) —

विचारो की छंटाई करना, उनको आन्तरिक आकार देना और सुगठित करना, ताकि उनमे और स्पष्टीकरण आ सके, को संदेश संकेतीकरण या कूट लेखन या स्वतीकरण कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

कूट लेखन (encoding) का उद्देश्य होता है कि एक विचार को कैसे एक ऐसे रूप में परिवर्तित किया जाए कि उसे संदेश ग्रहिता (Message Receiver) को प्रेषित किया जा सकता है। प्रेषक इस चरण में संप्रेषण माध्यम के बारे में भी निर्णय लेता है। प्रेषक संप्रेषण माध्यम (भाषण, लेखन, संकेत, हाव-भाव, इशारा इत्यादि) का चयन भी ऐसे करता है जिसे ग्रहिता अच्छी तरह से समझ सके। उदाहरण के लिए अनपढ़ ग्रहिता एक लिखित संदेश को समझने में विफल हो सकता है, लेकिन अगर मौखिक रूप से बताया जाए तो वह अच्छी तरह से समझ सकता है।

3- संदेश संचरण Message Transmission)— यह संप्रेषण की प्रक्रिया में एक व्यवहारिक और महत्वपूर्ण चरण है और इससे यह पता चलता है कि संदेश को कैसे सम्प्रेषित किया जाए, संदेश क्या भेजा जा रहा है।

सूचना प्रसारण (Information Transmission) के वैज्ञानिक नियमों को तीन स्तरों पर देखा जा सकता है।

(a) - वाक्यात्मक (Syntactic): वाक्य रचना संबंधी
(b) व्यावहारिक (Pragmatic): संकेत, उनकी अभिव्यक्ति और प्रयोक्ताओं (Users) के संदर्भ में
(c) शब्दार्थ विज्ञान (Semantic) शब्दों के अर्थ संबंधी

Scanned with CamScanner

Notes   Date

4. कूटवाचन एवं व्याख्या (Message Decoding and Interpretation):— संदेश का कूटवाचन (गूढ़लिपि पढ़ना) एवं व्याख्या का अर्थ है कि प्राप्तकर्ता द्वारा संदेश का क्या अर्थ समझा गया है। प्राप्तकर्ता संदेश को विचारों में बदलता है, इसे विश्लेषण और समझने का प्रयास करता है। कई बार माध्यम और चैनल शब्दों का उपयोग अदल-बदल से किया जाता है। हम यहाँ संदेश, माध्यम और चैनल के बीच के अन्तर को समझने की कोशिश करते हैं। माध्यम का मतलब है कि संदेश का कैसे कूटलेखन (encoding) किया जा रहा है। मान लिजिए 'नमस्ते' एक संदेश है, यह निर्णय हो चुका है कि नमस्ते को शाब्दिक संप्रेषण (नमस्ते एक शब्द ही है) द्वारा ग्राहिता तक पहुचाना है। ऐसी दशा में आपकी आवाज एक चैनल बन जाता है शाब्दिक संप्रेषण के हेतु। चैनल का अर्थ है कि संदेश को शारीरिक रूप से कैसे सम्प्रेषित किया जाए। अगर हम "टेलीफोन से वार्तालाप करते हैं तो इसका अर्थ यह है कि ध्वनि को सम्प्रेषित करने के लिए किसी प्रौद्योगिकी यन्त्र का उपयोग किया जा रहा है।

5. प्रतिपुष्टि एवं मूल्यांकन (Feedback and Evaluation)— संदेश को प्रभावी

Notes Date

संप्रेषण केवल तभी माना जाता है जब प्रेषक और प्राप्तकर्ता संदेश को समान अर्थ देते है। अत: इस प्रकार हम यह कह सकते है कि संप्रेषण एक चक्रीय प्रक्रिया है। प्रतिपुष्टि से हमे संप्रेषण प्रक्रिया मे सही एवं गलत के मूल्यांकन करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है।

प्रतिपुष्टि दो या अधिक व्यक्तियो के बीच बातचीत को विनियमित करने मे सहायता करती है और इस बात के लिए भी प्रेरित करती है कि हम अपनी बात कहे। शिक्षण मे सतत प्रतिपुष्टि से विद्यार्थियो की छुपी हुई प्रतिभा उभर कर सामने आती है। इस लिए पाठ्यक्रम मे मूल्यांकन का विशेष महत्व है।

संप्रेषण विनिमय (communication ~~exchange~~ exchange) तभी प्रासंगिक (Relevant) लगती है, यदि उसमे प्रतिपुष्टि का उपक्रम भी हो।

Scanned with CamScanner